चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.4.23	2	1-4

मिलन समारोह • एचएयू के 1971 बैच के पासआउट 45 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

शिक्षण संस्थान को आगे बढ़ाने में पूर्व छात्रों का योगदान: प्रो. काम्बोज

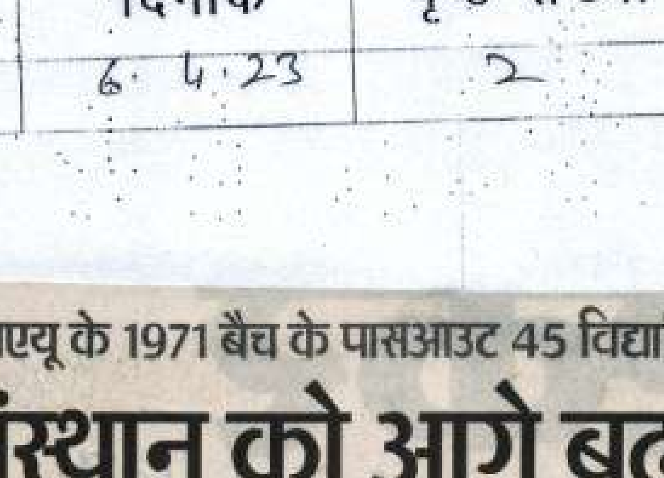

एचएयू के कृषि कॉलेज के एल्युमिनी मीट में उपस्थित प्रो. काम्बोज।

सिटी रिपोर्टर • किसी भी संस्थान को आगे बढ़ाने में एवं विश्वस्तरीय पहचान दिलाने में पूर्व छात्र-छात्राओं व शोधार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। एचएयू के फैकल्टी हाउस में कृषि महाविद्यालय ने 1971 पासआउट बैच के बीएससी ऑनर्स, कृषि के पूर्व छात्रों के लिए 3 दिवसीय छात्र-मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें 45 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। पूर्व छात्र-छात्राओं के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि पासआउट छात्रों के लिए विश्वविद्यालय छोड़ना आसान नहीं होता क्योंकि उनकी आंखों में सपने होते हैं और हाथों में डिग्रियां। उस समय करियर को आकार देने की संभावनाएं भी बढ़ जाती है। पूर्व छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय से मिली शिक्षा, संस्कारों व सकारात्मक विचारों के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते चले जाते हैं।

अपने बैच के गोल्ड मेडलिस्ट रहे पूर्व छात्र डॉ. मनीराम सहारण ने बताया कि एल्युमनाई मीट के दौरान पूर्व छात्रों ने अपना परिचय दिया जिसके बाद विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान की यादों को ताजा करने के साथ ही मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि पूर्व छात्रों ने एचएयू के कृषि पर्यटन, संग्रहालय, एग्रो बिजनेस टूरिज्म सेंटर सहित अन्य स्थलों का दौरा कर जानकारियां प्राप्त की। पूर्व छात्रों ने दो मिनट का मौन रखकर 1971 बैच के स्वर्गवासी साथियों को श्रद्धांजलि दी। सांयकाल में आम बैठक कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा की अध्यक्षता में हुई। बागवानी विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतपाल बलौदा व डॉ. प्रिंस ने इस कार्यक्रम का समन्वयन कर पूर्व छात्र-छात्राओं को एचएयू के अनुवांशिकी एवं पौध-प्रजनन विभाग तथा बागवानी विभाग के शोध प्रक्षेत्र का भ्रमण करवाया। हांसी के कश्मीरी लाल ग्रोवर ने आध्यात्मिक विषय पर चर्चा की। इस अवसर पर सन् 1966-67 के प्रोफेसर टीसी कुंडू, डॉ. एसके अग्रवाल, डॉ. एमपी गुप्ता, डॉ. एलएस कौशिक, डॉ. दल सिंह व डॉ. जे.के डांग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6-4-23	4	1-4

हकृवि में हुआ पूर्व छात्र मिलन समारोह, पढ़ाई के दौरान की यादों को किया ताजा

हिसार, 5 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फैकल्टी हाऊस में कृषि महाविद्यालय द्वारा 1971 पासआऊट बैच के बी.एस.सी. ऑनर्स कृषि के पूर्व छात्रों के लिए 3 दिवसीय पूर्व छात्र-मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें 45 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित रहे, जबकि सन् 1966-67 पीरियड के प्रोफेसर टी.सी. कुंडू, डॉ. एस.के. अग्रवाल, डॉ. एम.पी. गुप्ता, डॉ. एल.एस. कौशिक, डॉ. दल सिंह व डॉ. जे.के डांग विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

पूर्व छात्र मिलन समारोह में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज संबोधित करते हुए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने व विश्वस्तरीय पहचान दिलाने में पूर्व छात्र-छात्राओं व शोधार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने बताया कि पासआऊट छात्रों के लिए विश्वविद्यालय छोड़ना आसान नहीं होता क्योंकि उसकी आंखों में सपने होते है और हाथों में डिग्री।

उस समय करियर को आकार देने की संभावनाएं भी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि पूर्व छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय से मिली शिक्षा, संस्कारों व सकारात्मक विचारों के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते चले जाते हैं। परिणामस्वरूप, एक दिन ऐसे विद्यार्थी अपने मुकाम को बड़ी आसानी से प्राप्त कर अपने विश्वविद्यालय, परिवार व अपना नाम रोशन करते हैं।

अपने बैच के गोल्ड मेडलिस्ट रहे पूर्व छात्र डॉ. मणिराम सहारण ने बताया कि एल्युमनाई मीट के दौरान पूर्व छात्रों ने अपना परिचय दिया, जिसके बाद विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान की यादों को ताजा करने के साथ ही मुख्य बिंदुओं पर चर्चा भी की।

उन्होंने बताया कि पूर्व छात्रों ने एच.ए.यू. के कृषि पर्यटन, संग्रहालय, एग्रो बिजनेस टूरिज्म सेंटर सहित अन्य स्थलों का दौरा कर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। उन्होंने बताया कि मिलन समारोह के दौरान पूर्व छात्रों ने दो मिनट का मौन रखकर 1971 बैच के स्वर्गवासी साथियों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने बताया कि सायंकाल को आम बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने की।

बैठक के दौरान पूर्व छात्रों ने कृषि महाविद्यालय में पढ़ रहे छात्रों से भी मुलाकात की, जहां उन्होंने अपने अनुभवों को छात्र-छात्राओं से साझा किया। बागवानी विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतपाल बलौदा व डॉ. प्रिंस ने इस कार्यक्रम का समन्वयन कर पूर्व छात्र-छात्राओं को एचएयू के अनुवांशिकी एवं पौध-प्रजनन विभाग तथा बागवानी विभाग के शोध प्रक्षेत्र का भ्रमण करवाया। हांसी के कश्मीरी लाल ग्रोवर ने आध्यात्मिक विषय पर चर्चा भी की। पूर्व छात्र-छात्राओं के सम्मान में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	6.4.23	9	1-3

सकारात्मक विचारों के बल पर विद्यार्थी संवार सकते हैं भविष्य : प्रो. काम्बोज

पूर्व छात्र मिलन समारोह में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज संबोधित करते हुए।

हिसार, 5 अप्रैल (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फैकेल्टी हाउस में कृषि महाविद्यालय द्वारा 1971 पास आऊट बैच के बीएससी ऑनर्स कृषि के पूर्व छात्रों के लिए 3 दिवसीय पूर्व छात्र-मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें 45 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित रहे, जबकि सन् 1966-67 पीरियड के प्रोफैसर टीसी कुंडू, डॉ. एसके अग्रवाल, डॉ. एमपी गुप्ता, डॉ. एलएस कौशिक, डॉ. दल सिंह व डॉ. जे.के डांग विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को आगे बढ़ानें व विश्वस्तरीय पहचान दिलाने में पूर्व छात्र-छात्राओं व शोधार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने बताया कि पासआउट छात्रों के लिए विश्वविद्यालय छोड़ना आसान नहीं होता क्योंकि उसकी आंखों में सपने होते है और हाथों में डिग्री। उस समय करियर को आकार देने की संभावनाएं भी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि पूर्व छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय से मिली शिक्षा, संस्कारों व सकारात्मक विचारों के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते चले जाते हैं। परिणामस्वरूप, एक दिन ऐसे विद्यार्थी अपने मुकाम को बड़ी आसानी से प्राप्त कर अपने विश्वविद्यालय, परिवार व अपना नाम रोशन करते हैं। उन्होंने बताया कि जब विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पढ़ाई करते है तो ये ही समय उसके जीवन का आधार तय करती है क्योंकि विश्वविद्यालय में जो वह पढ़ते व सीखते है वो ही चीजें विद्यार्थी का करियर के साथ-साथ भविष्य को संवारती है। इसलिए अपने शिक्षण संस्थान व शिक्षकों को कभी नहीं भूलना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	6.4.23	10	5-8

एचएयू में पूर्व छात्र मिलन समारोह में शामिल हुए 45 पूर्व छात्र

शिक्षा और संस्कारों से भविष्य संवारें विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फैकल्टी हाउस में कृषि महाविद्यालय द्वारा 1971 पासआउट बैच के बीएससी ऑनर्स कृषि के पूर्व छात्रों के लिए 3 दिवसीय पूर्व छात्र-मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें 45 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज उपस्थित रहे, जबकि वर्ष 1966-67 पीरियड के प्रोफेसर टीसी कुंडू, डॉ. एसके अग्रवाल, डॉ. एमपी गुप्ता, डॉ. एलएस कौशिक, डॉ. दल सिंह व डॉ. जे.के डांग विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

हिसार। पूर्व छात्र मिलन समारोह में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज संबोधित करते हुए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने व विश्वस्तरीय पहचान दिलाने में पूर्व छात्र-छात्राओं व शोधार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने बताया कि पासआउट छात्रों के लिए विश्वविद्यालय छोड़ना आसान नहीं होता क्योंकि उसकी आंखों में सपने होते है और हाथों में डिग्री। उस समय करियर को आकार देने की संभावनाएं भी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि पूर्व छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय से मिली शिक्षा, संस्कारों व सकारात्मक विचारों के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते चले जाते हैं। परिणामस्वरूप, एक दिन ऐसे विद्यार्थी अपने मुकाम को बड़ी आसानी से प्राप्त कर अपने विश्वविद्यालय, परिवार व अपना नाम रोशन करते हैं। जब विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पढ़ाई करते है तो ये ही समय उसके जीवन का आधार तय करती है क्योंकि विश्वविद्यालय में जो वह पढ़ते व सीखते है वो ही चीजें विद्यार्थी का करियर के साथ-साथ भविष्य को संवारती है। इसलिए अपने शिक्षण संस्थान व शिक्षकों को कभी नहीं भूलना चाहिए। अपने बैच के गोल्ड मेडलिस्ट रहे पूर्व छात्र डॉ. मणिराम सहारण ने बताया कि एल्युमनाई मीट के दौरान पूर्व छात्रों ने अपना परिचय देते कहा कि पूर्व छात्रों ने एचएयू के कृषि पर्यटन, संग्रहालय, एग्रो बिजनेस टूरिज्म सेंटर सहित अन्य स्थलों का दौरा कर महत्वपूर्ण जानकारियां लेनी चाहिए। बागवानी विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतपाल बलौदा व डॉ. प्रिंस ने इस कार्यक्रम का समन्वयन कर पूर्व छात्र-छात्राओं को एचएयू के अनुवांशिकी एवं पौध-प्रजनन विभाग तथा बागवानी विभाग के शोध प्रक्षेत्र का भ्रमण करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.4.23	3	5

होंटिया ने मांगों को लेकर दी 18 अप्रैल से सांकेतिक धरने की चेतावनी

भास्कर न्यूज़ | हिसार

होंटिया की बुधवार को बैठक हुई। इसमें विभिन्न मांगों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इसमें यह निर्णय लिया कि 17 अप्रैल तक अगर प्रशासन गैर शिक्षक कर्मचारियों की मांगों को नहीं मानता है तो 18 अप्रैल की सुबह 9 से 11 बजे तक 2 घंटे का सांकेतिक धरना दिया जाएगा तथा इसके बाद विश्वविद्यालय की प्रशासन द्वारा किए सभी कार्यक्रमों का काले बिल्ले लगाकर विरोध किया जाएगा। अध्यक्षता संघ के प्रधान दिनेश कुमार ने की।

बैठक में सभी पदाधिकारियों ने मिलकर 5 तकनीकी सलाहकारों को नियुक्त किया, जिनमें जगदीप सिंह सहायक, कृष्ण गंगवा, करतार सिंह, सुंदर यादव व सुरेंद्र कांगड़ा हैं। संघ के प्रधान ने बताया कि इस बार पूरी तैयारी तथा कर्मचारियों के सहयोग से सांकेतिक धरना दिया जाएगा तथा उसके बाद भी प्रशासन मांगों को पूरा नहीं करता है तो विवि में जल्द हड़ताल भी की जाएगी। अभी तक विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से इन मांगों को पूरी करने के लिए कोई कदम नहीं उठाए हैं। इनसे कर्मचारियों में रोष उत्पन्न हो रहा है। संघ के दो पदाधिकारियों सुनील तथा राजेश को बार-बार संघ की बैठकों में नहीं आने पर नोटिस दिया है। इससे पहले भी सुनील कुमार को नोटिस दिया था जिसका उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

इस अवसर पर मनीष शर्मा, जितेंद्र ढाका, कृष्ण काजला और राम कीर्तन यादव आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6. 4. 23	4	1-6

आयोजन

एचएयू के फैकल्टी हाउस में आयोजित पूर्व छात्र मिलन समारोह में 45 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

एचएयू में पहुंचे पूर्व छात्रों ने 52 साल पुरानी यादों को किया ताजा

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फैकल्टी हाउस में कृषि महाविद्यालय की ओर से 1971 पासआउट बैच के बीएससी ऑनर्स कृषि के पूर्व छात्रों के लिए 3 दिवसीय पूर्व छात्र-मिलन समारोह का आयोजन किया। जिसमें 45 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज उपस्थित रहे। वर्ष 1966-67 सत्र के प्रो. टीसी कुंडू, डॉ. एसके अग्रवाल, डॉ. एमपी गुप्ता, डॉ. एलएस कौशिक, डॉ. दल सिंह, डॉ. जेके डांग विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

हिसार में एचएयू में पूर्व छात्रों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। *संवाद*

अपने बैच के गोल्ड मेडलिस्ट रहे पूर्व छात्र डॉ. मणिराम सहारण ने बताया कि

दो मिनट का मौन रख 1971 बैच के स्वर्गवासी साथियों को श्रद्धांजलि दी

एल्युमनाई मीट के दौरान पूर्व छात्रों ने अपना परिचय दिया। जिसके बाद विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान की यादों को ताजा किया।

उन्होंने बताया कि पूर्व छात्रों ने एचएयू के कृषि पर्यटन, संग्रहालय, एग्रो बिजनेस टूरिज्म सेंटर सहित अन्य स्थलों का दौरा कर महत्वूपर्ण जानकारियां प्राप्त की। मिलन समारोह के दौरान पूर्व छात्रों ने दो मिनट का मौन रखकर 1971 बैच के स्वर्गवासी साथियों को श्रद्धांजलि भी दी। सांयकाल में हुई आमसभा की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने की।

बागवानी विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतपाल बलौदा व डॉ. प्रिंस ने इस कार्यक्रम का समन्यवन कर पूर्व छात्र-छात्राओं को एचएयू के अनुवांशिकी एवं पौध-प्रजनन विभाग तथा बागवानी विभाग के शोध प्रक्षेत्र का भ्रमण करवाया।

हांसी के कश्मीरी लाल ग्रोवर ने आध्यात्मिक विषय पर चर्चा भी की। पूर्व छात्र-छात्राओं के सम्मान में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.4.23	6	1-5

भास्कर खास • एचएयू के वैज्ञानिक कर रहे जागरूक, अप्रैल में चारे की बिजाई कर अधिक उपज हासिल कर सकते हैं किसान

नेपियर-बाजरा हाईब्रिड घास एक बार लगाने पर 5 साल तक देगी हरा चारा, पोषक तत्वों से होता है भरपूर, पशुओं का स्वास्थ्य ठीक रहता है

महबूब अली | हिसार

मई से जुलाई तक चारे की समस्या बढ़ जाती है। हरे व सूखे चारे का रेट भी बढ़ जाता हैं। चारा फसलों की बिजाई यदि 10 अप्रैल तक की जाए तो गर्मी के मौसम में आसानी से हरा चारा उपलब्ध हो सकता है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हरा चारा पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिसके सेवन से पशुओं का स्वास्थ्य अच्छा रहता है व उत्पादकता भी बढ़ती है।

घास एक बार लगाने पर 5 साल तक देगी हरा चारा

एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि नेपियर-बाजरा हाईब्रिड की रोपाई अप्रैल से अगस्त तक करें। खेत में प्रति एकड़ लगभग 20 गाड़ी गोबर या कम्पोस्ट खाद मिला दें। एक एकड़ के लिए नेपियर बाजरा संकर-21 किस्म के दो-तीन आंखों वाले 50 से.मी. लंबे 11 हजार तने के टुकड़े काफी होंगे।

ज्वार की किस्में एचसी 136, एचसी 308 की करें बुवाई

ज्वार की किस्म एच जे 541

किस्म एस एस जी 59-3

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि चारे के लिए ज्वार, बाजरा, मक्की, लोबिया व ग्वार की बिजाई अप्रैल के पहले पखवाड़े करें। ज्वार की किस्में एचसी 136, एचसी 308, एचजे 513 व एचजे 541 एक कटाई वाली व एसएस जी 59-3 अनेक कटाई वाली उन्नत किस्में है। लोबिया की सी एस 88 व ग्वार की एच एफ जी 156 किस्म की बिजाई अप्रैल तक पूरी कर लें।

- **कैसे करें बिजाई :** सूडान घास के लिए 10-14 किग्रा, ज्वार के लिए 20 से 24 किग्रा, बाजरे के लिए 3-4 किग्रा व लोबिया के लिए 16-20 किग्रा बीज प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें।
- **उर्वरक की मात्रा कितनी रखें:** ज्वार में बिजाई के समय 25 किलोग्राम डीएपी, 33 किलोग्राम यूरिया व 20 किलोग्राम एमओपी प्रति एकड़ डालें।

कब करें कटाई: नेपियर-बाजरा हाईब्रिड की पहली कटाई ढाई माह बाद व बाकि डेढ़ से दो माह के अंतराल पर करें। बाजरा, मक्की, लोबिया व ग्वार की कटाई 2 माह बाद करें।